B-4
L-2
Modern India

भारत में ब्रिटिश विस्तार

यूरोपियन कम्पनियों का आगमन

- 15वीं - 16वीं सदी में यूरोप में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन दृष्टिगोचर होते हैं जैसे - पुनर्जागरण, भौगोलिक खोज, धर्मसुधार आंदोलन इत्यादि। इन परिवर्तनों के कारण पश्चिमी यूरोपीय देश विशेषकर पुर्तगाल, स्पेन ब्रिटेन, हालैण्ड, फ्रांस इत्यादि देशों में समुद्री मार्ग से व्यापार के लिए व्यापारिक कंपनियों की स्थापना होती है और इसी क्रम में इन देशों की व्यापारिक कम्पनियां 15वीं सदी के अंतिम दशक एवं 16वीं - 17वीं सदी में भारत आते हैं।

- इन कम्पनियों के द्वारा भारतीय शासकों से व्यापारिक केन्द्र खोलने की

KGS IAS
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

अनुमति माँगी जाती है। व्यापार पर एकाधिकार को लेकर इन कम्पनियों और संबंधित राज्यों के बीच युद्ध भी होते हैं। यहाँ तक कि कई अवसरों पर भारतीय शासकों से भी युद्ध होते हैं।

- इन व्यापारिक कम्पनियों में 18 वीं सदी के मध्य तक आते-आते ब्रिटेन की ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने भारत में कई केन्द्र स्थापित किए जैसे- बाम्बे, कलकत्ता, मद्रास, सूरत, पटना, हुगली इत्यादि।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- इन कम्पनियों का मुख्य उद्देश्य था भारत में व्यापार विशेषकर कपड़ों एवं मसालों के व्यापार से अधिकाधिक मुनाफा अर्जित करना। व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में था अतः ब्रिटिश सहित सभी कम्पनियों की इच्छा थी भारत पर नियंत्रण स्थापित कर भारतीय राजस्व से भारतीय उत्पादों को खरीदा जाए।

- प्रारंभिक प्रयासों में इन कम्पनियों को विशेष सफलता नहीं मिली लेकिन 18 वीं सदी के मध्य में परिस्थितियां विस्तार के लिए अनुकूल थी और अंग्रेजों ने इसका लाभ उठाया।

18 वीं सदी में भारतीय राज्य

- 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के पश्चात मुगल साम्राज्य का तेजी से विघटन प्रारंभ हुआ और 1750 तक आते - आते मुगलों की पहचान एक नाममात्र की शक्ति या सांकेतिक शक्ति के रूप में रह गयी। इनकी सत्ता दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में सिमट कर रह गयी। इसके साथ ही भारत में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय राज्यों का उदय हुआ इनमें कुछ प्रमुख थे जैसे -

- बंगाल में नवाबों का शासन

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- अवध नवाबों का शासन
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कई छोटे - छोटे राज्य जैसे - फरुखाबाद एवं रुहेलखण्ड में दो स्वतंत्र राज्यों की स्थापना अफगानों के द्वारा की गयी, जाटों का राज्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश
- राजस्थान में कई छोटे बड़े राज्य - इसमें महत्वपूर्ण थे - मेवाड़, मारवाड़, आमेर इत्यादि।
- पाकिस्तान के सिन्ध क्षेत्र में भी एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना
- पाकिस्तान के शेष क्षेत्रों में (पंजाब) 18 वीं सदी में लम्बे समय तक राजनीतिक अस्थिरता रही और 1790 के दशक में रणजीत सिंह का शासन स्थापित हुआ
- महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, गुजरात इत्यादि क्षेत्रों पर मराठों का नियंत्रण
- हैदराबाद में निजाम का शासन
- कर्नाटक / तमिलनाडु में भी नवाब का शासन

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- मैसूर में हैदर अली एवं टीपू सुल्तान का शासन
- केरल में भी कई छोटे-बड़े राज्य थे।

18 वीं सदी में राजनीतिक दशा

- मुगलों का पतन एवं क्षेत्रीय राज्यों का युग
- भारतीय राज्यों के बीच साम्राज्य विस्तार को लेकर संघर्ष
- उत्तराधिकार को लेकर संघर्ष
- भारतीय राज्यों में दरबार के स्तर पर गुटबंदी

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- मुगलों के पतन के पश्चात् भारतीय राज्यों में सर्वाधिक शक्तिशाली राज्य मराठों ने स्थापित किया और उस समय के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रीय राज्यों के साथ मराठों के तनावपूर्ण संबंध थे।
- उत्तर पश्चिम से आक्रमण जैसे-नादिरशाह एवं अहमदशाह अब्दाली द्वारा, उत्तर एवं उत्तर पश्चिम

भारत में इन आक्रमणों के कारण राजनैतिक अस्थिरता बनी रही।

- भारतीय राज्यों में राजनैतिक एकता की कमी
- यूरोपियन कम्पनियां विशेषकर ब्रिटिश एवं फ्रांसीसी कम्पनियों की महत्वाकांक्षा

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR